+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(27 September 2023)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- इंडो-पैसिफिक क्षेत्र
- भारतीय महिलाओं की 63 प्रतिशत से अधिक कैंसर से होने वाली मौतों को रोका जा सकता था: लैंसेट आयोग
- पंजाब द्वारा इस वर्ष 'पराली जलाने की समस्या' से निपटने के लिए कार्य योजना जारी की गयी

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र:

चर्चा में क्यों है?

- सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने 26 सितंबर को कहा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र केवल देशों का एक समूह नहीं है, बल्कि "अंतर्निर्भरता का जाल" है।

- वह **13वें इंडो-पैसिफिक आर्मी चीफ कॉन्फ्रेंस (IPACC)** को संबोधित कर रहे थे, **जिसकी मेजबानी भारत पहली बार अमेरिका के साथ कर रहा है और इसमें 20 सेना प्रमुखों सहित 30 देश शामिल** हैं।
- इस सम्मेलन का **उद्देश्य मुख्य रूप से भारत-प्रशांत क्षेत्र के सेना प्रमुखों और थल सेना के वरिष्ठ अधिकारियों को सुरक्षा और समसामयिक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान** करना है।

13वें इंडो-पैसिफिक आर्मी चीफ कॉन्फ्रेंस (IPACC) में किन सुरक्षा चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया?

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि **इंडो-पैसिफिक अब केवल एक समुद्री अवधारणा नहीं है, बल्कि एक पूर्ण भू-रणनीतिक अवधारणा है**, और यह क्षेत्र सीमा विवादों और समुद्री डकैती सहित "**सुरक्षा चुनौतियों के एक जटिल जाल**" का सामना कर रहा है।
- उन्होंने **साझा सुरक्षा और समृद्धि की खोज में स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए भारत के रुख को दोहराया**।
- उन्होंने सुझाव दिया कि **इस कार्यक्रम में मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) संचालन के दौरान अंतर-संचालनीयता** बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की जाए। उन्होंने कहा, "***यह हमारी जिम्मेदारी है कि इंडो-पैसिफिक के छोटे द्वीप देशों की जलवायु परिवर्तन संबंधी चिंताओं को वह महत्व दिया जाए जिसके वे हकदार हैं, क्योंकि ये जलवायु परिवर्तन का खामियाजा अस्तित्व के संकट के रूप में भुगतते हैं***"।
- सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने दक्षिण चीन सागर में चीन की भूमि पुनर्ग्रहण का मौन संदर्भ देते हुए कहा कि **विशेष रूप से समुद्री क्षेत्र में चुनौतियों के अलावा,**

भूमि पर सुरक्षा और मानवीय चिंताओं की एक विस्तृत श्रृंखला मौजूद है। जिसमें भूमि क्षेत्र पर क्षेत्रीय विवाद, या कुछ मामलों में कृत्रिम रूप से विस्तारित द्वीपों पर भी अचल संपत्ति हासिल करने और सैन्य अड्डे स्थापित करने, आतंकवाद के अंतरराष्ट्रीय खतरे, बसे हुए द्वीपों या रिम देशों के तटीय क्षेत्रों को प्रभावित करने वाले जलवायु परिवर्तन के परिणाम और प्राकृतिक विपत्तियाँ शामिल हैं।

- उल्लेखनीय है कि यह क्षेत्र तटीय राज्यों के बीच सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अर्थव्यवस्था पर सहयोग को अनिवार्य बनाता है, जिसमें सभी का एक स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक का साझा लक्ष्य है।
- यूक्रेन में युद्ध से मिले सबक और उस पर चर्चा के सवाल पर अमेरिकी सेना प्रमुख ने कहा कि सबसे बड़ा सबक साझेदार और सहयोगी होने का महत्व है।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की अवधारणा क्या है?

- इंडो-पैसिफिक क्षेत्र एक भू-राजनीतिक अवधारणा है जो उस विशाल समुद्री क्षेत्र को संदर्भित करती है जो हिंद महासागर और पश्चिमी और मध्य प्रशांत महासागर के साथ-साथ उन्हें जोड़ने वाले समुद्रों और जलडमरूमध्य को कवर करता है।
- यह महत्वपूर्ण रणनीतिक, आर्थिक और भूराजनीतिक महत्व का क्षेत्र है।

- इंडो-पैसिफिक की अवधारणा **इस बढ़ती मान्यता को दर्शाती है कि हिंद और प्रशांत महासागर आपस में जुड़े हुए हैं, और इस क्षेत्र के एक हिस्से में विकास के पूरे क्षेत्र पर दूरगामी परिणाम हो सकते** हैं। परिणामस्वरूप, यह 21वीं सदी में **भू-राजनीति, सुरक्षा, व्यापार और आर्थिक सहयोग पर चर्चा का केंद्र बिंदु बन गया** है।
- **हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख घटकों में शामिल हैं:**
  - **हिंद महासागर:** यह **दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा महासागर है** और पश्चिम में अफ्रीका, उत्तर में एशिया और पूर्व में ऑस्ट्रेलिया के बीच स्थित है। यह **भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया और मध्य पूर्व और पूर्वी अफ्रीका के कई देशों** सहित कई देशों का घर है।
  - **प्रशांत महासागर:** प्रशांत महासागर **विश्व का सबसे बड़ा महासागर है।** यह अमेरिका के पश्चिमी तट से लेकर एशिया और ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तटों तक फैला हुआ है। इसमें **संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, चीन और प्रशांत क्षेत्र के विभिन्न द्वीप देशों जैसे देशों के आसपास का जल क्षेत्र शामिल** है।
  - **दक्षिण चीन सागर: दक्षिण चीन सागर हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के भीतर एक अत्यधिक विवादित क्षेत्र है, जो चीन, ताइवान, वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया**

और ब्रुनेई से जुड़े क्षेत्रीय विवादों के लिए जाना जाता है। यह वैश्विक व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है।

- **दक्षिण पूर्व एशिया:** इस क्षेत्र में थाईलैंड, वियतनाम, कंबोडिया, मलेशिया, सिंगापुर और फिलीपींस जैसे देश शामिल हैं। यह **भारतीय और प्रशांत महासागरों के बीच एक चौराहे के रूप में कार्य करता है और क्षेत्रीय भू-राजनीति और व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।**
- **ओशिनिया:** ओशिनिया में **ऑस्ट्रेलिया सहित कई प्रशांत द्वीप राष्ट्र शामिल** हैं, जिनमें पापुआ न्यू गिनी, फिजी, समोआ और सोलोमन द्वीप शामिल हैं।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र का महत्व क्यों बढ़ रहा है?

- **आर्थिक महत्व:** इंडो-पैसिफिक **दुनिया की कुछ सबसे गतिशील और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं का घर है, जिनमें भारत, चीन, जापान, ऑस्ट्रेलिया और कई दक्षिण पूर्व एशियाई देश** शामिल हैं। यह वैश्विक व्यापार और वाणिज्य का केंद्र है, **जिसके जल क्षेत्र से प्रमुख समुद्री मार्ग गुजरते हैं। दुनिया की कई व्यस्ततम शिपिंग लेन, जैसे मलक्का जलडमरूमध्य, इसी क्षेत्र में स्थित हैं।**

- **भू-राजनीतिक महत्व:** इंडो-पैसिफिक वैश्विक भू-राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। **इसकी विशेषता राजनीतिक रिश्तों और सुरक्षा गतिशीलता का एक जटिल जाल है। संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसी प्रमुख शक्तियों के इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण हित और प्रभाव** हैं। इन शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा और सहयोग भू-राजनीतिक परिदृश्य को आकार देते हैं।
- **सुरक्षा संबंधी चिंताएं:** इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को **विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें क्षेत्रीय विवाद, समुद्री तनाव, समुद्री डकैती और सामूहिक विनाश के हथियारों का प्रसार शामिल** है। **दक्षिण चीन सागर, विशेष रूप से, तनाव का केंद्र बिंदु रहा है, जहां कई देश क्षेत्रीय दावों पर जोर दे रहे** हैं।
- **क्षेत्रीय संगठन:** कई क्षेत्रीय संगठन और समूह, जैसे **दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान), हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए), और क्वाड** (संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं), इंडो-पैसिफिक **क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने और सुरक्षा और आर्थिक मुद्दों को संबोधित करने में भूमिका निभाते** हैं।

- **महत्वपूर्ण आर्थिक पहलों की शुरुआत:** हिंद-प्रशांत क्षेत्र में **कई आर्थिक पहल कार्यान्वित की गई हैं।**
  - ➢ एक प्रमुख उदाहरण **चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई)** है, जिसका **उद्देश्य बुनियादी ढांचे का विकास करना और पूरे एशिया और उससे आगे कनेक्टिविटी को बढ़ाना** है।
  - ➢ और दूसरा, **IPEF एक अमेरिकी नेतृत्व वाली पहल है** जिसका उद्देश्य **हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में लचीलापन, स्थिरता, समावेशिता, आर्थिक विकास, निष्पक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए भाग लेने वाले देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूत** करना है। IPEF **विश्व सकल घरेलू उत्पाद का 40% प्रतिनिधित्व करते हैं।**

भारतीय महिलाओं की 63 प्रतिशत से अधिक कैंसर से होने वाली मौतों को रोका जा सकता था: लैंसेट आयोग

संदर्भ:

- **लैंसेट कमीशन की नवीनतम रिपोर्ट, "महिलाएं, शक्ति और कैंसर"** के अनुसार, **भारत में महिलाओं में कैंसर से होने वाली लगभग 63 प्रतिशत मौतों को जोखिम कारकों को कम करके या स्क्रीनिंग या निदान करके रोका जा सकता था** और **उचित और समय पर उपचार के साथ 37 प्रतिशत मौतों को रोका जा सकता था।**

- आंकड़ों से पता चलता है कि **भारत में महिलाओं में कैंसर से होने वाली लगभग 69 लाख मौतों को रोका जा सकता था** और **40.3 लाख का इलाज किया जा सकता था।**

स्वास्थ्य देखभाल में लैंगिक अंतर:

- पुरुषों और महिलाओं दोनों में समान कैंसर के बोझ के साथ, **लैंसेट रिपोर्ट अधिक लिंग- और लिंग-समावेशी नीतियों और दिशानिर्देशों का आह्वान करती** है।
- यह रिपोर्ट **लंबे समय से चली आ रही भेदभावपूर्ण प्रथाओं के बारे में खतरे की घंटी बजाती है जो स्वास्थ्य प्रणाली के साथ महिलाओं के जुड़ने की कमजोर स्थिति को दिखाती है, जिससे उनके लिए खराब परिणाम सामने** आते हैं।
- यह इस बात पर भी जोर देता है कि **महिलाओं के सत्ता की स्थिति में होने की संभावना कम है और वे अपनी देखभाल का निर्धारण करने में असमर्थ हो सकती** हैं।
- इसके अतिरिक्त, **यह इस बात पर जोर देता है कि कैंसर देखभाल, अनुसंधान और नीति निर्माण सभी जगह पितृसत्ता सोच हावी** है।

रिपोर्ट का क्या प्रमुख निष्कर्ष है?

- रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि **कैसे महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति सामाजिक उदासीनता, जागरूकता की कमी और प्राथमिक देखभाल स्तर पर गुणवत्ता विशेषज्ञता की अनुपस्थिति ने कैंसर की रोकथाम, पहचान और देखभाल तक उनकी पहुंच में देरी** की।

- रिपोर्ट में देश में कैंसर देखभाल में लैंगिक असमानता के प्रतिनिधि के रूप में मुंबई के **नालासोपारा इलाके की एक 36 वर्षीय महिला के केस अध्ययन** पर प्रकाश डाला गया है। वह नहीं जानती थी कि उसका सिरदर्द विकसित हो रहे मस्तिष्क कैंसर के कारण है क्योंकि उसके शराबी पति ने कभी नहीं सोचा था कि इसके लिए बुनियादी परामर्श की आवश्यकता है।
- स्थानीय डॉक्टर ने उसकी हालत को आंख की समस्या बताकर खारिज कर दिया। उसके ससुर ने यह सुनिश्चित किया कि उसे चिकित्सा सहायता और निदान मिले।
- **उसके जैसे कई लोग कैंसर, घरेलू हिंसा और गरीबी के साथ जी रहे हैं, जो उपचार तक नहीं पहुंच पाते हैं और जल्दी ही उन्नत अवस्था में पहुंच जाते हैं।**
- **लैंसेट के आयुक्त डॉ. ईशु कटारिया** ने बताया कि **2020 में, भारत में कैंसर से पीड़ित आधी से अधिक महिलाओं की मृत्यु पारिवारिक उदासीनता, उनकी स्थिति के प्रति उनकी अपनी उदासीनता, चिकित्सा सुविधाओं और वित्त तक पहुंच की कमी के कारण** हुई।
- रिपोर्ट में **कैंसर के कारण होने वाली असामयिक मौतों के आर्थिक प्रभाव पर भी गौर किया गया है**। इसमें कहा गया है कि **ब्रिक्स** (ब्राजील, रूस, भारत, चीन,

दक्षिण अफ्रीका) **देशों को समय से पहले कैंसर से होने वाली मौतों के परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी के कारण 46.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान** हुआ।

- आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, **महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौतों के मामले में, भारत में शीर्ष तीन कैंसर - स्तन, गर्भाशय ग्रीवा, डिम्बग्रंथि** - 2020 में प्रमुख कारण थे।

क्या किया जाना चाहिए?

- यह रिपोर्ट **कैंसर के प्रति "नारीवादी" दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर देती है। हमें महिलाओं के स्वास्थ्य में कैंसर को प्राथमिकता वाले मुद्दे के रूप में देखने की** जरूरत है।
- लैंसेट रिपोर्ट में कहा गया है कि **भारतीय महिलाओं में कैंसर के लिए संक्रमण सबसे बड़ा जोखिम कारक बना हुआ है, जो 23 प्रतिशत मौतों का कारण बनता** है। कैंसर के खतरे को बढ़ाने वाले संक्रमणों में **एचपीवी वायरस शामिल है, जो सर्वाइकल कैंसर का कारण बनता है, और हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमण जो लिवर कैंसर के खतरे को बढ़ाते** हैं।

- **टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई के कैंसर महामारी विज्ञान केंद्र के उप निदेशक डॉ.** पंकज चतुर्वेदी ने कहा, **"शैक्षिक और आर्थिक रूप से कम सशक्त महिलाओं के बीच जागरूकता महत्वपूर्ण है"।**
- यही कारण है कि **लैंसेट आयोग ने कैंसर देखभाल के लिए एक नए नारीवादी और समावेशी एजेंडे का आह्वान किया** है।

पंजाब द्वारा इस वर्ष 'पराली जलाने की समस्या' से निपटने के लिए 'कार्य योजना' जारी की गयी:

संदर्भ:

- फसल अवशेष प्रबंधन (CRM) मशीनरी के प्रभावी उपयोग सहित राज्य और जिला कार्य योजनाओं के प्रवर्तन के माध्यम से **पंजाब में धान की पराली जलाने की घटनाओं में महत्वपूर्ण कमी लाने के उद्देश्य से**, एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में **'वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM)' ने 21 सितंबर, 2023 को पंजाब सरकार की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की है।**

- **2022 के आंकड़ों के अनुसार, पंजाब के पांच जिले जहां सबसे अधिक फसल** जलाने की घटनाएं दर्ज की गईं, **वे संगरूर, बठिंडा, फिरोजपुर, मुक्तसर और मोगा**

थे, जहां राज्य के कुल **आग की संख्या का लगभग 44 प्रतिशत दर्ज किया** गया था।

- नवीनतम बैठक के दौरान, पंजाब ने **आयोग को वर्तमान** धान कटाई सीज़न के दौरान पराली जलाने की घटनाओं में महत्वपूर्ण कमी लाने के लिए **राज्य कार्य योजना** और जिला कार्य योजनाओं **को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सभी आवश्यक कदम, कार्रवाई और उपाय करने का आश्वासन दिया।**

पंजाब की कार्ययोजना:

- राज्य कार्य योजना में **पिछले वर्ष की तुलना में 2023 के दौरान पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में कम से कम 50 प्रतिशत की कमी लाने की परिकल्पना की गई** है। इस योजना के तहत इस वर्ष **06 जिलों** - होशियारपुर, मलेरकोटला, पठानकोट, रूपनगर, एसएएस नगर (मोहाली) और एसबीएस नगर में **धान की पराली जलाने के मामलों को समाप्त करने का प्रयास किया गया है।**
- इस वर्ष धान के तहत **कुल क्षेत्र लगभग 31 लाख हेक्टेयर होने का अनुमान है और धान की पराली लगभग 20 मिलियन टन (एमटी) होने की उम्मीद** है। यह अनुमान लगाया गया है कि **2023 में, राज्य ने मशीन के माध्यम से लगभग 11.5 मीट्रिक टन धान** की पराली का प्रबंधन और **मशीन के अलावा लगभग 4.67 मीट्रिक टन धान की पराली का प्रबंधन करने की परिकल्पना** की है।

- **मशीन के अलावा प्रबंधन, धान की पराली का उपयोग निम्नलिखित में किया जाना है:**
  - ➢ पंजाब सरकार ने दिनांक 01.05.2023 से **ईंट भट्ठे में धान की पराली से बने गोलों के साथ 20 प्रतिशत कोयले को अनिवार्य रूप से** जलाने के लिए पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम की धारा 5 के तहत अधिसूचनाएं जारी की हैं;
  - ➢ **जैव-इथेनॉल संयंत्र**;
  - ➢ **बायोमास आधारित बिजली संयंत्र**;
  - ➢ **CBG संयंत्र**;
  - ➢ **कार्डबोर्ड कारखाने** आदि।
  - ➢ **राज्य सरकार ने पुआल भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए भूमि पार्सल की भी पहचान की** है।
- राज्य सरकार ने **8,000 एकड़ धान क्षेत्र में बायो डीकंपोजर के आवेदन की योजना बनाई है।**
- पंजाब में विभिन्न **आईईसी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं ताकि वर्तमान कटाई मौसम के दौरान धान के अवशेषों को जलाने में पर्याप्त कमी लाने के लिए जागरूकता फैलाई जा** सके।